मानवीय करुणा की दिव्य चमक

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रदत्त कार्य–1 : प्रसिद्ध व्यक्तियों की सूची।

विषय : ऐसे प्रसिद्ध व्यक्तियों की सूची तैयार कीजिए जिनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि में अन्तर रहा हो।

उद्देश्य :

- प्रसिद्ध व्यक्तियों को जानना एवं समझना।
- संस्मरण विधा से परिचित कराना।
- चिंतन एवं समझ का विकास करना।
- कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
- वैश्विक समझ का विकास।
- आनंदानुभूति कराना।
- हास्य व्यंग्य में प्रवीणता दिलाना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक कक्षा में प्रश्न पूछकर विषय से विद्यार्थियों को जोड़ेंगे।
2. इनसे संबंधित व्यक्तियों को पढ़ने के लिए विद्यार्थियों को समय दिया जाएगा।
3. गतिविधि की तिथि तथा मूल्यांकन के आधार पहले बता दें।
4. इसे सोचने लिखने व सुनाने के लिए 20–25 मिनट का समय दिया जाएगा।
5. निर्धारित तिथि के दिन गतिविधि को पूरा करने के लिए 20–25 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. विद्यार्थियों द्वारा तैयार सूची को संग्रह कर मूल्यांकित किया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- प्रभावशाली सूची

- संतोषजनक सूची
- प्रयासित सूची

टिप्पणी :

- अध्यापक स्वयं की सुविधा से मूल्यांकन आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली कार्य करने वाले विद्यार्थी की सहायता की जाए।
- अति सामान्य लिखने वालों को बेहतर लेखन के लिए प्रेरित किया जाए।
- आदर्श सूची का नमूना दिखाया जा सकता है।

प्रदत्त कार्य-2 : पत्र लेखन

विषय : वतन की याद में

उद्देश्य :

- जन्मभूमि के प्रति प्रेम उत्पन्न करना।
- देश भक्त होने की प्रेरणा देना।
- पत्र लेखन की विधा सिखाना।
- लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम छात्रों को निर्देश दिया जायेगा कि वे कल्पना करें कि वे विदेश में हैं, उन्हें अपने वतन की बहुत याद आ रही है।
2. छात्र अपने मित्र अथवा भाई को पत्र लिखें।
3. उस पत्र में अपने देश के प्रति प्रेम भाव उत्पन्न करते हुए अपने विचार व्यक्त करें।
4. शीघ्र न आने की असमर्थता बताते हुए देश की यादों का वर्णन करें।
5. इस प्रक्रिया के लिए एक कालांश का समय दिया जायेगा।
6. मूल्यांकन बिन्दु श्याम पट्ट पर लिखे जाएँगे।
7. लेखन के पश्चात् शिक्षक सभी छात्रों से उत्तर पुस्तिका एकत्र करके सुविधानुसार मूल्यांकन कर लेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- लेखन विधा
- प्रस्तुतीकरण

टिप्पणी :

- शिक्षक अन्य आधार बिन्दु बनाकर स्वतन्त्र रूप से मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वोत्तम पत्र को कक्षा में पढ़कर सुनाया जाए।
- कार्य करने में असमर्थ विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया जाए।
- जिन विद्यार्थियों ने अच्छा लिखा है उनकी सराहना की जाए।
- व्यावहारिक जीवन में पत्र लिखने की प्रेरणा दी जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : कार्य प्रपत्र

विषय : फादर कामिल बुल्के के जीवन पर।

उद्देश्य :

- सामान्य ज्ञान की वृद्धि कराना।
- लेखन कौशल का विकास करना।
- स्मरण शक्ति को बढ़ावा देना।
- मानवीय संवेदनाएँ उत्पन्न करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को विषय की जानकारी देंगे। यह कार्य पाठ को पढ़ाने के उपरांत दिया जाएगा।
3. उपुर्यक्त कार्य प्रपत्र को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे तथा छात्र ध्यानपूर्वक अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। (यह कार्य छाया प्रतिलिपि के माध्यम से भी किया जा सकता है।)
4. इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को 15 से 20 मिनट का समय दिया जाएगा।

5. प्रपत्र भरने के बाद छात्रों से प्रपत्र एकत्रित कर लिए जाएंगे।

6. मूल्यांकन शिक्षक सुविधानुसार कर सकते हैं अथवा कक्षा में छात्रों की सहायता से कराया जा सकता (छात्र एक दूसरे का प्रपत्र मूल्यांकित कर सकते हैं)

कार्य प्रपत्र

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

1. फादर बुल्के कौन तथा कहाँ के रहने वाले थे?

....

2. वे भारत किस प्रकार आए?

....

3. भारत में उनके शिक्षा स्थल

....

4. फादर का व्यक्तित्व

....

5. लोगों के लिए उनका व्यवहार

....

6. लेखक के साथ फादर का व्यवहार

....

7. हिंदी के लिए फादर का योगदान

....

8. फादर के शोध प्रबंध का नाम

....

9. फादर के रचनात्मक कार्य

....

10. फादर की मृत्यु का कारण

....

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सही प्रविष्टियों के आधार पर

टिप्पणी :

- सभी प्रविष्टियाँ सही भरने वाले छात्रों की सराहना की जाए।
- जो छात्र ठीक से कार्य नहीं कर पाए उनका कार्य अन्य छात्रों की सहायता से पूर्ण कराया जाएगा।

प्रदत्त कार्य–4 : कहानी लेखन

विषय : शरीर के अंगों पर आधारित मुहावरेदार कहानी।

उद्देश्य :

- कथा लेखन के प्रति रुझान उत्पन्न करना।
- भाषा में मुहावरों का प्रयोग सिखाना।
- विषय–वस्तु से परिचित कराना।
- मानवीय मूल्यों को समझाना।
- लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक शरीर के अंगों से सम्बन्धित बीस मुहावरे श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
3. तत्पश्चात् विद्यार्थियों को कहा जायेगा कि वे लिखित मुहावरों को अपनी उत्तर पुस्तिकाओं में लिखें।
4. कक्षा को चार समूहों में विभक्त किया जाएगा।
5. उपयुक्त भाषा द्वारा मुहावरों का प्रयोग करते हुए कहानी का निर्माण करें।
6. अन्त में उस कथा को नैतिक मूल्यों से जोड़ें।
7. कहानी निर्माण के लिए 20 मिनट का समय दिया जाएगा उसके पश्चात् प्रत्येक समूह का प्रतिनिधि छात्र प्रस्तुतीकरण देगा।
8. मूल्यांकन बिन्दु अध्यापक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे जाएँगे।

मुहावरे

आँख की किरकरी, आंख दिखाना, नाक में दम करना, कान पर जूँ न रेंगना, कान भरना, नाक काटना, नाक भौं सिकोड़ना, पैरों तले जमीन खिसकना, हाथ मलना, हाथ मारना, मुँह की खाना, मुँह में पानी भर आना, कंधे उचकाना, हथेली पर सरसों जमाना, अंगूठा दिखाना, उंगली टेढ़ी करना, सिर पर बिठाना, दाँत खट्टे करना, दाँतों तले उंगली दबाना, कान में रुई देना।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- मुहावरों का सटीक प्रयोग
- नैतिक मूल्य

प्रतिपुष्टि :

- उत्तम कार्य की प्रशंसा की जायेगी।
- कमज़ोर विद्यार्थियों को मुहावरों के सही प्रयोग की जानकारी दी जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : व्याकरण

विषय : विशेषण, विशेष्य तथा प्रविशेषण पर प्रपत्र तैयार करना।

उद्देश्य :

- भाषा के स्वरूप को समझाना।
- व्याकरण की समझ उत्पन्न कराना।
- शुद्ध भाषा के प्रयोग पर बल देना।
- विशेषण, विशेष्य तथा प्रविशेषण को समझना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. अध्यापक कार्य को समझाएंगे।
3. विद्यार्थी पाठ को पढ़कर विशेषण, विशेष्य तथा प्रविशेषण छाँटेंगे।

4. मूल्यांकन के आधार बता दिए जाएंगे।

5. प्रपत्र तैयार कर अध्यापक को जमा करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सुनियोजित प्रपत्र
- संतोषप्रद
- प्रयासित

प्रतिपुष्टि :

- सुनियोजित एवं प्रभावशाली प्रपत्र बनाने वाले विद्यार्थियों की सराहना करें।
- सही न करने वालों को सही करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- अन्य छात्रों की सहायता से कमजोर छात्रों का कार्य पूर्ण कराया जा सकता है।